Daily Current Affairs
14 September 2026

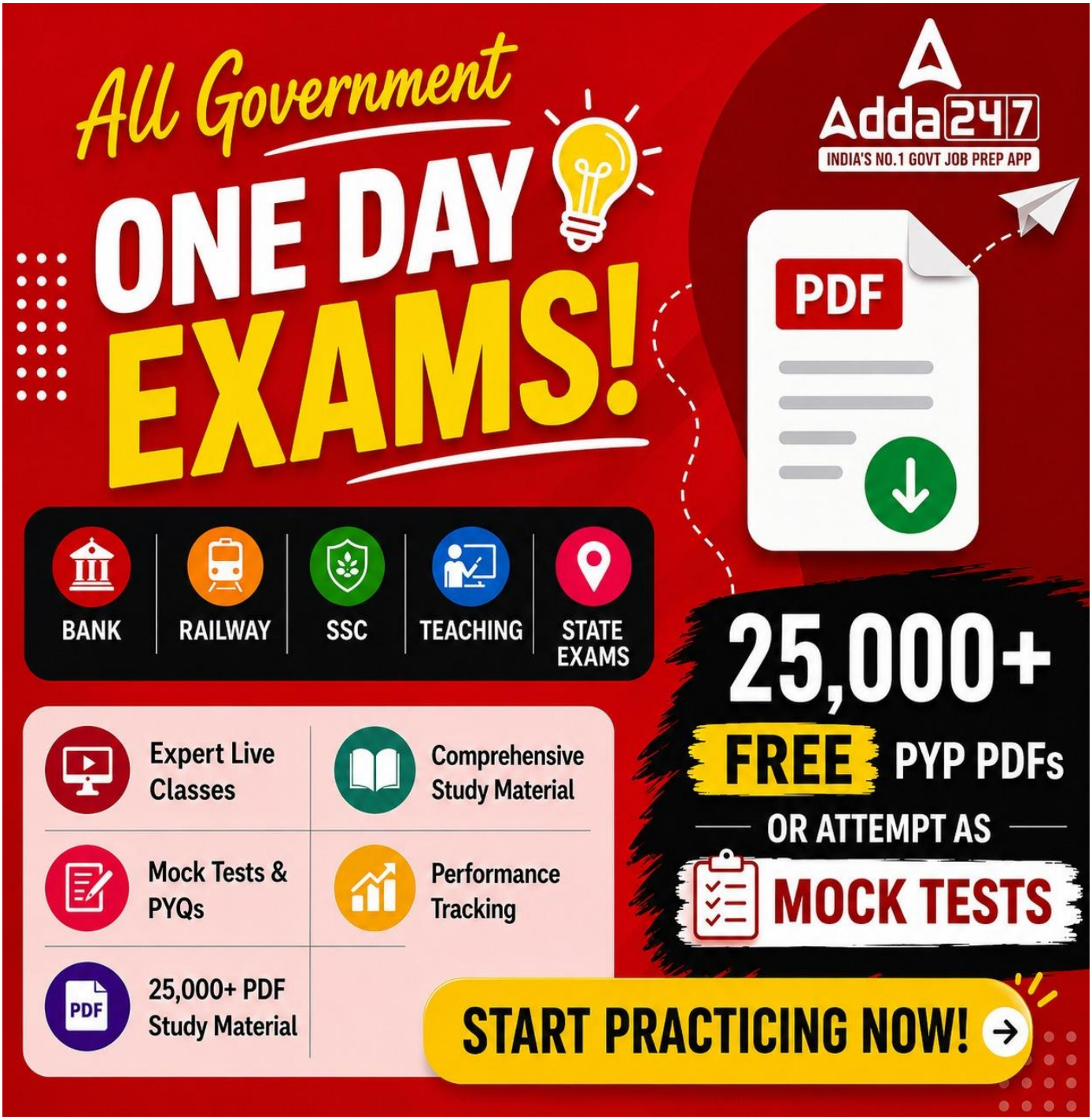

Daily Current Affairs Quiz 14 September 2026

Q1. युद्ध अभ्यास 2026 के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:
1. युद्ध अभ्यास 2026 वार्षिक भारत-अमेरिका द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास का 22वां संस्करण है.
2. यह अभ्यास 9 सितंबर से 28 सितंबर 2026 तक आयोजित होने वाला है.
3. युद्ध अभ्यास एक त्रिपक्षीय सैन्य अभ्यास है.
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3
Ans.(a)
Sol. सही उत्तर (A) केवल 1 और 2 है
व्याख्या:
• कथन 1 सही है: अभ्यास युद्ध अभ्यास 2026 भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका की सेनाओं के बीच आयोजित प्रमुख वार्षिक सैन्य अभ्यास के 22वें संस्करण का प्रतिनिधित्व करता है.
• कथन 2 सही है: इस व्यापक सेना-से-सेना अभ्यास की 2026 पुनरावृत्ति 9 सितंबर से 28 सितंबर 2026 तक भारत में रेगिस्तानी और पहाड़ी क्षेत्रों में होने वाली है.
• कथन 3 गलत है: युद्ध अभ्यास सख्ती से विशेष रूप से भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच एक द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास है, न कि तीन राष्ट्रों को शामिल करने वाला एक त्रिपक्षीय अभ्यास.
• अभ्यास का मुख्य उद्देश्य परिचालन अंतःक्रियाशीलता को बढ़ाना, संयुक्त राष्ट्र के जनादेश के तहत आतंकवाद-रोधी और उग्रवाद-रोधी अभियानों में सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान करना और द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को मजबूत करना है.
• अभ्यास के दौरान, सैन्य कर्मी संयुक्त सामरिक अभ्यास, कमांड पोस्ट अभ्यास, विशेष हेलीबोर्न असॉल्ट संचालन और संयुक्त हथियार लाइव-फायरिंग प्रदर्शनों में संलग्न होते हैं.
• इन अभ्यासों के दौरान प्राप्त उच्च स्तर का समन्वय सैन्य-से-सैन्य सहयोग और संयुक्त संकट प्रतिक्रिया क्षमता को सुव्यवस्थित करने में मदद करता है.
Information Booster:
• वार्षिक युद्ध अभ्यास श्रृंखला 2004 में अमेरिकी सेना प्रशांत भागीदारी कार्यक्रम के तहत शुरू की गई थी और दो दशकों में दायरे, पैमाने और युद्ध की जटिलता में काफी वृद्धि हुई है.
• बहु-राष्ट्र या त्रिपक्षीय अभ्यास अलग से मौजूद हैं, जैसे कि मालाबार अभ्यास (भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के नौसैनिक बलों को शामिल करते हुए), लेकिन युद्ध अभ्यास विशुद्ध रूप से द्विपक्षीय भूमि बल जुड़ाव के लिए समर्पित है.
• अभ्यास परिदृश्य में जटिल संयुक्त सामरिक अभ्यास, शहरी युद्ध प्रशिक्षण, काउंटर-मानवरहित हवाई प्रणाली (C-UAS) रक्षा, और आपदा राहत अभ्यास शामिल हैं.
• भारतीय और अमेरिकी सैनिकों के बीच विश्वास, सौहार्द और आपसी समझ बनाने के लिए दो सप्ताह के कार्यक्रम में सांस्कृतिक आदान-प्रदान और एथलेटिक प्रतियोगिताओं को भी शामिल किया गया है.
Additional Knowledge:
• केवल 2 और 3 (विकल्प B): गलत है क्योंकि कथन 3 असत्य है, क्योंकि युद्ध अभ्यास विशुद्ध रूप से दो भागीदार राष्ट्रों के बीच एक द्विपक्षीय पहल है.
• केवल 1 और 3 (विकल्प C): गलत है क्योंकि कथन 3 असत्य है, और यह पहचानने में विफल रहता है कि कथन 2 अभ्यास के लिए निर्धारित समयरेखा को सटीक रूप से प्रदान करता है.
• 1, 2 और 3 (विकल्प D): गलत है क्योंकि कथन 3 को शामिल करना इस लंबे समय से चल रहे द्विपक्षीय अभ्यास को गलत तरीके से त्रिपक्षीय जुड़ाव के रूप में वर्गीकृत करता है.

Q2. युद्ध अभ्यास 2026 का 22वां संस्करण किन दो स्थानों पर आयोजित किया जा रहा है?
(a) बीकानेर और औली
(b) जयपुर और देहरादून
(c) जोधपुर और मसूरी
(d) बीकानेर और लेह
Ans.(a)
Sol. सही उत्तर (A) बीकानेर और औली है
व्याख्या:
• अभ्यास युद्ध अभ्यास 2026, जो भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच प्रमुख संयुक्त सैन्य अभ्यास के 22वें संस्करण को चिह्नित करता है, दो प्राथमिक रणनीतिक स्थानों पर आयोजित किया जा रहा है: राजस्थान में बीकानेर और उत्तराखंड में औली.
• दो-स्थानों वाला प्रारूप दोनों देशों के भाग लेने वाले सशस्त्र बलों को दो बहुत अलग इलाके की स्थितियों में गहन संयुक्त सामरिक प्रशिक्षण से गुजरने की अनुमति देता है: रेगिस्तानी इलाका और उच्च ऊंचाई वाला पहाड़ी इलाका.
• रेगिस्तानी चरण बीकानेर के पास विशाल महाजन फील्ड फायरिंग रेंज (MFFR) में होता है, जो मशीनीकृत पैदल सेना युद्धाभ्यास, भारी तोपखाने एकीकरण और रेगिस्तानी आतंकवाद विरोधी अभियानों पर ध्यान केंद्रित करता है.
• पहाड़ी चरण उत्तराखंड के औली में आयोजित किया जाता है, जो विशेष शारीरिक अनुकूलन, ठंडे मौसम में युद्ध प्रशिक्षण, पहाड़ी सामरिक संचालन और चरम इलाके में जीवित रहने के कौशल प्रदान करता है.
• बीकानेर और औली दोनों में अभ्यास आयोजित करना जटिल, बहु-इलाके वाले परिचालन परिदृश्यों के तहत अंतःक्रियाशीलता में सुधार के लिए दोनों सेनाओं की प्रतिबद्धता को दर्शाता है.
• अभ्यास में संयुक्त कमांड पोस्ट संचालन, लाइव-फायरिंग ड्रिल और मानवीय सहायता और आपदा राहत (HADR) सिमुलेशन अभ्यास शामिल हैं.
Information Booster:
• अभ्यास युद्ध अभ्यास भारतीय सेना और संयुक्त राज्य अमेरिका की सेना के बीच सबसे बड़ा संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण और रक्षा सहयोग प्रयास है.
• द्विपक्षीय अभ्यास सालाना भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका में मेजबान स्थानों के बीच वैकल्पिक रूप से होता है, जिससे दोनों सेनाओं को सामरिक विशेषज्ञता और संयुक्त युद्ध परिचालन सिद्धांतों को साझा करने की अनुमति मिलती है.
• बीकानेर में रेगिस्तानी युद्ध और औली में उच्च ऊंचाई वाले युद्ध का संयोजन विविध भारतीय सीमा क्षेत्रों के साथ सामना किए गए वास्तविक दुनिया के परिचालन वातावरण को दर्शाता है.
• भारी कवच, तोपखाने की बंदूकें, मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर और लड़ाकू समर्थन हेलीकॉप्टर सहित उन्नत सैन्य हार्डवेयर दोनों स्थानों पर संयुक्त क्षेत्र प्रशिक्षण अभ्यास में भाग लेते हैं.
• परिचालन तालमेल और रणनीतिक संरेखण को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम में कमांड-स्तरीय चर्चाओं और सामरिक सेमिनारों को एकीकृत किया गया है.
Additional Knowledge:
• जयपुर और देहरादून (विकल्प B): हालांकि दोनों क्रमशः राजस्थान और उत्तराखंड में प्रमुख राज्य की राजधानियां हैं, वे युद्ध अभ्यास 2026 के लिए निर्दिष्ट सैन्य फील्ड फायरिंग और उच्च ऊंचाई वाले युद्ध प्रशिक्षण मैदानों के बजाय प्रशासनिक केंद्रों के रूप में कार्य करते हैं.
• जोधपुर और मसूरी (विकल्प C): जोधपुर नियमित रूप से प्रमुख वायु सेना अभ्यासों (जैसे अभ्यास डेजर्ट नाइट) की मेजबानी करता है और मसूरी एक नागरिक प्रशासनिक प्रशिक्षण केंद्र है, लेकिन दोनों में से कोई भी युद्ध अभ्यास 2026 के लिए प्राथमिक सामरिक मेजबान स्थान के रूप में कार्य नहीं करता है.
• बीकानेर और लेह (विकल्प D): जबकि बीकानेर अभ्यास के रेगिस्तानी चरण की मेजबानी करता है, लेह लद्दाख में एक प्रमुख सैन्य स्टेशन है जो इस संस्करण के लिए नामित दो आधिकारिक प्राथमिक मेजबान क्षेत्रों का हिस्सा नहीं है.

Q3. युद्ध अभ्यास 2026 के रेगिस्तानी चरण के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:
1. युद्ध अभ्यास के राजस्थान चरण के लिए उपयोग की जाने वाली महाजन फील्ड फायरिंग रेंज राजस्थान में स्थित है.
2. पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर संयुक्त राज्य अमेरिका की सेना के HIMARS के साथ युद्ध अभ्यास 2026 के रेगिस्तानी चरण में भाग ले रहा है.
3. युद्ध अभ्यास 2026 के रेगिस्तानी चरण में K9 वज्र होवित्जर का उपयोग किया जा रहा है.
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3
Ans.(d)
Sol. सही उत्तर (D) 1, 2 और 3 है
व्याख्या:
• कथन 1 सही है: महाजन फील्ड फायरिंग रेंज (MFFR) राजस्थान के बीकानेर जिले में स्थित है, जो रेगिस्तानी युद्ध अभियानों के लिए भारत के सबसे बड़े और प्रमुख सैन्य प्रशिक्षण मैदानों में से एक के रूप में कार्य करता है.
• कथन 2 सही है: युद्ध अभ्यास 2026 के रेगिस्तानी चरण में उन्नत लंबी दूरी के आर्टिलरी प्लेटफॉर्म शामिल हैं, जिसमें अमेरिकी सेना के हाई मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम (HIMARS) के साथ संचालित भारत का स्वदेशी रूप से विकसित पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर (MBRL) सिस्टम शामिल है.
• कथन 3 सही है: भारत के K9 वज्र-T 155mm/52 कैलिबर स्व-चालित ट्रैक किए गए होवित्जर को यंत्रीकृत सामरिक युद्धाभ्यास और लाइव-फायरिंग अभ्यास निष्पादित करने के लिए रेगिस्तानी चरण के दौरान सक्रिय रूप से तैनात किया गया है.
• अत्याधुनिक आर्टिलरी और रॉकेट सिस्टम की संयुक्त तैनाती दोनों देशों के सैन्य कर्मियों को कठोर रेगिस्तानी परिस्थितियों में संयुक्त लक्ष्य अधिग्रहण, मारक क्षमता समन्वय और आर्टिलरी सपोर्ट एकीकरण का अभ्यास करने की अनुमति देती है.
• यह व्यापक युद्ध एकीकरण भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के सशस्त्र बलों के बीच बढ़ती सामरिक परिष्कार, परिचालन तालमेल और रणनीतिक संरेखण को उजागर करता है.
• चरण के दौरान यथार्थवादी युद्ध परिदृश्य रेगिस्तानी युद्ध के वातावरण में सामरिक प्रक्रियाओं को तेज करने में मदद करते हैं.
Information Booster:
• महाजन फील्ड फायरिंग रेंज बड़े पैमाने पर बख्तरबंद युद्धाभ्यास, लाइव-फायर आर्टिलरी स्ट्राइक और संयुक्त वायु-भूमि युद्ध सिमुलेशन के लिए एक विस्तृत, निर्बाध रेगिस्तानी इलाके का आदर्श प्रदान करता है.
• पिनाका MBRL को DRDO द्वारा डिज़ाइन किया गया है और यह रैपिड-फायर क्षमता प्रदान करता है, जो संस्करण के आधार पर 60-90 किमी तक के क्षेत्र के लक्ष्यों को बेअसर करने के लिए 44 सेकंड में 12 उच्च-विस्फोटक रॉकेटों का पूरा साल्वो दागता है.
• HIMARS अमेरिकी सेना के लिए विकसित एक अत्यधिक मोबाइल, एयर-ट्रांसपोर्टेबल मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर है, जो अत्यधिक सटीकता के साथ निर्देशित रॉकेट और सामरिक बैलिस्टिक मिसाइल दागने में सक्षम है.
• K9 वज्र एक स्वदेशी स्व-चालित आर्टिलरी गन है जिसे लार्सन एंड टुब्रो द्वारा दक्षिण कोरिया से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के तहत निर्मित किया गया है, जिसे रेगिस्तान और उच्च ऊंचाई वाले युद्धक्षेत्रों के लिए भारी रूप से अनुकूलित किया गया है.
• युद्ध अभ्यास जैसे अंतःक्रियाशीलता अभ्यास दोनों सेनाओं को संयुक्त सामरिक प्रक्रियाओं और रसद एकीकरण को मान्य करने की अनुमति देते हैं.

Additional Knowledge:
• केवल 1 और 2 (विकल्प A): गलत है क्योंकि यह कथन 3 को छोड़ देता है, रेगिस्तानी अभ्यास में K9 वज्र स्व-चालित होवित्जर की भागीदारी को अनदेखा करता है.
• केवल 2 और 3 (विकल्प B): गलत है क्योंकि यह कथन 1 को छोड़ देता है, जो राजस्थान में महाजन फील्ड फायरिंग रेंज की भौगोलिक स्थिति की सही पहचान करता है.
• केवल 1 और 3 (विकल्प C): गलत है क्योंकि यह कथन 2 को छोड़ देता है, जो पिनाका और HIMARS रॉकेट आर्टिलरी सिस्टम की महत्वपूर्ण संयुक्त भागीदारी पर प्रकाश डालता है.

Q4. युद्ध अभ्यास भारत और किस देश के बीच एक द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास है?
(a) फ्रांस
(b) रूस
(c) संयुक्त राज्य अमेरिका
(d) जापान
Ans.(c)
Sol. सही उत्तर (C) संयुक्त राज्य अमेरिका है
व्याख्या:
• अभ्यास युद्ध अभ्यास एक प्रमुख द्विपक्षीय सेना अभ्यास है जो सामरिक रक्षा सहयोग और सैन्य अंतःक्रियाशीलता को बढ़ावा देने के लिए भारतीय सेना और संयुक्त राज्य अमेरिका की सेना के बीच प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है.
• 2004 में शुरू किया गया, युद्ध अभ्यास भारत और अमेरिका के बीच सबसे लंबे समय तक चलने वाली संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण पहलों में से एक है, जो दोनों देशों के बीच गहराते रक्षा संबंधों को दर्शाता है.
• यह अभ्यास संयुक्त राष्ट्र के जनादेश के तहत संयुक्त सामरिक युद्धाभ्यास, आतंकवाद विरोधी अभियान, संयुक्त हथियार एकीकरण, और मानवीय सहायता और आपदा राहत (HADR) गतिविधियों पर केंद्रित है.
• यह प्रतिवर्ष भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका में मेजबान स्थानों के बीच वैकल्पिक रूप से होता है, जिससे भाग लेने वाले सैनिकों को रेगिस्तान और उच्च ऊंचाई वाले पहाड़ों से लेकर घने जंगलों और मैदानों तक विविध परिचालन इलाकों का सामना करना पड़ता है.
• साझा सामरिक सिद्धांत, संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यास और हथियारों के परिचय के माध्यम से, अभ्यास सामरिक दक्षता को बढ़ाता है और भारत-प्रशांत क्षेत्र में समग्र सुरक्षा सहयोग को मजबूत करता है.
• यह जुड़ाव सेना संगठनात्मक संरचनाओं और युद्ध के मैदान की रणनीति की आपसी समझ को भी बढ़ावा देता है.
Information Booster:
• भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका सभी सेवा शाखाओं में कई उच्च-स्तरीय रक्षा अभ्यास साझा करते हैं, जिनमें अभ्यास वज्र प्रहार (सेना विशेष बल), अभ्यास तर्कश (NSG और अमेरिकी विशेष बल), और अभ्यास टाइगर ट्रायम्फ (त्रि-सेवाएं) शामिल हैं.
• दोनों देशों के बीच रक्षा संबंधों को प्रमुख मूलभूत रक्षा समझौतों द्वारा समर्थित किया गया है: LEMOA (2016), COMCASA (2018), और BECA (2020), जो रसद साझा करने, सुरक्षित संचार और भू-स्थानिक सहयोग की सुविधा प्रदान करते हैं.
• युद्ध अभ्यास अभ्यासों में वास्तविक समय के युद्ध सिमुलेशन, नाइट-फायरिंग ड्रिल, हेलीबोर्न असॉल्ट ऑपरेशन और संयुक्त सामरिक नियोजन परिदृश्य शामिल हैं.
• फ्रंटलाइन आर्मर, आधुनिक तोपखाने और सामरिक हवाई सहायता की भागीदारी क्रमिक संस्करणों में अभ्यास की बढ़ती परिचालन जटिलता को उजागर करती है.
• इन नियमित सैन्य अभ्यासों के साथ-साथ भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच रक्षा व्यापार में तेजी से विस्तार हुआ है.

Additional Knowledge:

• फ्रांस (विकल्प A): भारत फ्रांस के साथ प्रमुख द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास आयोजित करता है जिसमें अभ्यास शक्ति (सेना), अभ्यास वरुण (नौसेना), और अभ्यास गरुड़ (वायु सेना) शामिल हैं.

• रूस (विकल्प B): भारत अभ्यास INDRA (सेना, नौसेना और वायु सेना को कवर करने वाला एक त्रि-सेवा अभ्यास) के बैनर तले रूस के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास आयोजित करता है.

• जापान (विकल्प D): भारत जापान के साथ अभ्यास धर्म गार्जियन (सेना), अभ्यास JIMEX (नौसेना), और अभ्यास वीर गार्जियन (वायु सेना) आयोजित करता है.

Q5. भारत-अमेरिका सैन्य अभ्यास युद्ध अभ्यास पहली बार किस वर्ष शुरू हुआ था?

(a) 2002
(b) 2004
(c) 2006
(d) 2008

Ans.(b)

Sol. सही उत्तर (B) 2004 है

व्याख्या:

• भारतीय सेना और संयुक्त राज्य अमेरिका की सेना के बीच द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास युद्ध अभ्यास आधिकारिक तौर पर वर्ष 2004 में शुरू किया गया था.

• यह 2001 के बाद द्विपक्षीय रक्षा संबंधों के विस्तार के बाद आपसी विश्वास और प्रक्रियात्मक परिचितता बनाने के लिए अमेरिकी सेना प्रशांत भागीदारी कार्यक्रम के तहत एक छोटे पैमाने के सामरिक इकाई अभ्यास के रूप में शुरू हुआ.

• पिछले दो दशकों में, युद्ध अभ्यास बुनियादी पैदल सेना-स्तर के दस्ते के अभ्यास से एक बहु-डोमेन, अत्यधिक जटिल संयुक्त अभ्यास में विकसित हुआ है जिसमें ब्रिगेड-स्तरीय तत्व, भारी कवच, तोपखाने और सामरिक हवाई सहायता शामिल है.

• 2004 में युद्ध अभ्यास की शुरुआत ने भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों में एक महत्वपूर्ण बदलाव को चिह्नित किया, जिससे नियमित संयुक्त सैन्य अभ्यास, रक्षा प्रौद्योगिकी आदान-प्रदान और रणनीतिक मूलभूत समझौतों का मार्ग प्रशस्त हुआ.

• 22 से अधिक संस्करणों का जश्न मनाते हुए, यह अभ्यास भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच स्थायी और बढ़ती रक्षा साझेदारी के प्रमाण के रूप में खड़ा है.

• यह संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना और आतंकवाद विरोधी ढांचे के तहत संयुक्त प्रशिक्षण के लिए एक मुख्य मंच के रूप में कार्य करता है.

Information Booster:

• 2000 के दशक के मध्य में युद्ध अभ्यास के प्रारंभिक संस्करण मुख्य रूप से बुनियादी हथियार आदान-प्रदान, कंपनी-स्तरीय सामरिक अभ्यास और मौलिक आतंकवाद-रोधी सिद्धांत पर केंद्रित थे.

• जैसे-जैसे साझा सुरक्षा चुनौतियाँ विकसित हुईं, अभ्यास का विस्तार संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय VII के तहत आतंकवाद-रोधी, शहरी युद्ध और आपदा राहत पर ध्यान केंद्रित करते हुए जटिल संयुक्त संचालन को कवर करने के लिए किया गया.

• यह अभ्यास भारत (जैसे राजस्थान, उत्तराखंड, और जम्मू और कश्मीर) और अमेरिका (जैसे अलास्का, हवाई, और वाशिंगटन राज्य) में विभिन्न स्थानों पर वैकल्पिक रूप से होता है.

• युद्ध अभ्यास का विकास भारत-अमेरिका रक्षा व्यापार के विकास को दर्शाता है, जो 2004 में लगभग शून्य से बढ़कर बाद के दशकों में दसियों अरब डॉलर तक पहुंच गया.

• युद्ध अभ्यास के दौरान विकसित संयुक्त अंतःक्रियाशीलता पूरे भारत-प्रशांत क्षेत्र में व्यापक स्थिरता और सुरक्षा का समर्थन करती है.

Additional Knowledge:

• 2002 (विकल्प A): हालांकि 2002 के आसपास रणनीतिक रक्षा संवाद और 9/11 के बाद प्रारंभिक रक्षा सहयोग में तेजी आनी शुरू हो गई थी, औपचारिक सेना अभ्यास युद्ध अभ्यास आधिकारिक तौर पर 2004 तक स्थापित नहीं किया गया था.

• 2006 (विकल्प C): 2006 तक, युद्ध अभ्यास पहले ही अपने तीसरे सफल पुनरावृत्ति में था और सैन्य शक्ति और सामरिक जटिलता में तेजी से विस्तार कर रहा था.

• 2008 (विकल्प D): 2008 में, भारत और अमेरिका ने ऐतिहासिक असैन्य परमाणु सहयोग समझौतों पर हस्ताक्षर किए, लेकिन युद्ध अभ्यास पहले से ही चार वर्षों से वार्षिक सैन्य अभ्यास के रूप में सफलतापूर्वक चल रहा था.